NES High School, Bhandup
IV Preliminary Examination

Date : 14/02/2019 | Sub : Hindi (Full) | Marks : 100
Std. : X Div : | Pages : 09 | Time : 3 Hrs.

'गदय विभाग'

प्र.१अ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

करामत अली इधर दो-चार दिनों से अस्वस्थ था। लेकिन जब उसने यह सुना कि रहमान ने गाय की पीठ पर डंडे बरसाए हैं तो उससे रहा नहीं गया। वह किसी प्रकार चारपाई से उठकर धीरे-धीरे चलकर बथान में आया। आगे बढ़कर उसके माथे पर हाथ फेरा, पुचकारा और हौले-से उसकी पीठ पर हाथ फेरा। लक्ष्मी के शरीर में एक सिहरन-सी दौड़ गई।

"ओह! कंबख्त ने कितनी बेदर्दी से पीटा है।"

उसकी बीवी रमजानी बोली- "लो, चोट की जगह पर यह रोगन लगा दो। बेचारी को आराम मिलेगा।"

करामत अली गुस्से में बोला - "क्या अच्छा हो अगर इसी लाठी से तुम्हारे रहमान के दोनों हाथ तोड़ दिए जाएँ। कहीं इस तरह पीटा जाता है? "

रमजानी बोली - "लक्ष्मी ने आज भी दूध नहीं दिया।"

१) संजाल पूर्ण कीजिए। (०२)

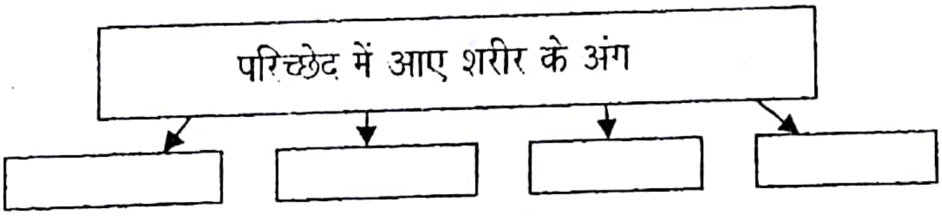

---

२) १. ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए जिसका उत्तर निम्नलिखित हो। (०१)

रोगन :

२. कारण लिखिए। (०१)

लक्ष्मी के शरीर में एक सिहरन-सी दौड़ गई।

३) १. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए। (०१)

१) स्वस्थ x   २) कल x

२. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए। (०१)

१) अच्छा :   २) क्षण :

४) 'पालतू पशु परिवार के सदस्य के समान होता है', इस पर अपने विचार लिखिए। (०२)

Scanned by CamScanner

प्र.१३आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

तिवारी जी : उस समय तो क्रांतिकारी आंदोलन भी हो रहे थे। क्या उनका भी आपपर कुछ प्रभाव पड़ा ?

नागर जी : उसी से तो पिता जी ने डाँटा और रोका। काकोरी बमकांड हो चुका था। १९२१ से आंदोलन तेज हो गए थे।

तिवारी जी : क्या सामाजिक आंदोलनों, जैसे आर्य समाज का भी आपपर कुछ प्रभाव पड़ा?

नागर जी : आरंभिक असर है थोड़ा जरूर। मेरे पिता जी में एक अच्छी बात थी कि उन्होंने मुझे सामाजिक आंदोलनों में जाने से कभी नहीं रोका। जवाहरलाल नेहरू से मेरी भेट १९३३ में हुई। उनकी माँ मेडिकल कॉलेज में दाखिल थी और उसी समय मेरा छोटा भाई भी वहाँ दाखिल था। नेहरू जी जेल में थे। उनकी माँ के पास कुछ कश्मीरी लोगों को छोड़कर कोई आता जाता नहीं था। मैं उनकी माता जी के पास रोज जाता था। पंडित जी जब जेल से छूटे तो मेरी उनसे वहीं भेट हुई जो प्रायः होती रहती थी। उनसे खूब बातें होती थीं- हर तरह की।

१) १. आकृति पूर्ण कीजिए। (०१)

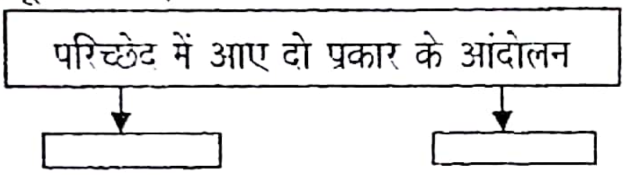

२. (०१)

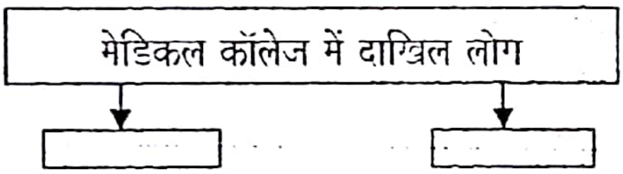

२) घटनानुसार उचित क्रम लगाकर लिखिए। (०२)

१. जवाहरलाल नेहरू से मेरी भेट १९३३ में हुई।
२. उस समय तो क्रांतिकारी आंदोलन भी हो रहे थे।
३. मैं उनकी माता जी के पास रोज जाता था।
४. १९२१ से आंदोलन तेज हो गए थे।

३) १. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके नए शब्द बनाइए। (०१)

१) सामाजिक : २) कश्मीरी

२. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए। (०१)

१) पिता : २) बहन :

४) समाज में व्याप्त सामाजिक विषमताओं के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। (०२)

Scanned by CamScanner

प्र.१इ) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

प्राचीन भारत में नालंदा विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का सुप्रसिध्द केंद्र था। यह विश्वविद्यालय वर्तमान में बिहार राज्य के पटना शहर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्त शासक कुमार गुप्त प्रथम ने की थी। गुप्त वंश के बाद भी सभी शासकों ने इस ज्ञान के मंदिर की समृद्धि में अपना-अपना योगदान दिया। वर्तमान में मौजूद भग्नावशेष से नालंदा के प्राचीन वैभव का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस विश्वविद्यालय में सिर्फ भारत के ही नहीं, बल्कि चीन, जापान, इंडोनेशिया, तुर्की, कोरिया आदि देशों से भी विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे। नौवीं शताब्दी से दसवीं शताब्दी तक नालंदा ने पूरे विश्व में बहुत ख्याति प्राप्त की। यह विश्वविद्यालय स्थापत्य कला का भी अद्भुत नमूना है। इसका पूरा परिसर एक विशाल दीवार से घिरा है, जिसमें प्रवेश के लिए एक मुख्य द्वार है। इस महान बौद्ध विश्वविद्यालय में उत्तर से दक्षिण की ओर मठों की कतार थी और उनके सामने अनेक भव्य स्तूप व मंदिर थे। मंदिर में भगवान बुद्ध की सुंदर मूर्तियाँ स्थापित थीं। केंद्रीय इमारत में सात बड़े कक्ष वर्तमान थे अन्य कमरे थे। नालंदा में सैकड़ों विद्यार्थियों व शिक्षकों के अध्ययन के लिए नौ तल का एक विराट पुस्तकालय भी था, जिसमें लाखों पुस्तकें थी।

१) (०२)

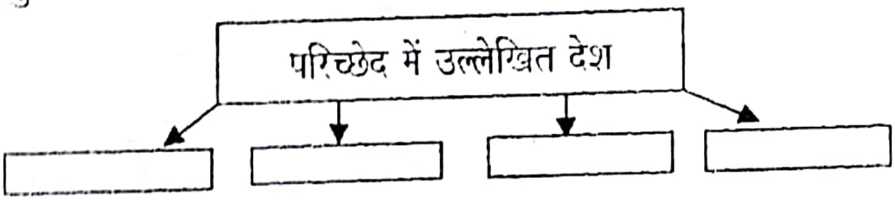

२) १. एक शब्द में उत्तर लिखिए। (०१)

१) नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की थी ?

२) नालंदा विश्वविद्यालय के मंदिरों में किसकी मूर्तियाँ स्थापित की गई थी ?

२. निम्नलिखित विधान सही या गलत लिखिए। (०१)

१) नालंदा विश्वविद्यालय बिहार में स्थित है।

२) नालंदा विश्वविद्यालय की ख्याति ११ वीं शताब्दी में पूरे विश्व में फैल रही थी।

३) १. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए। (०१)

१) प्रसिद्ध :   २) ज्ञान :

२. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए। (०१)

१) उच्च शिक्षा प्राप्त करने का स्थान :

२) पुस्तकों को संग्रहित करने का स्थान :

४) पढ़ने की आदत से होने वाले लाभ लिखिए। (०२)

Scanned by CamScanner

प्र.१ आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

तिवारी जी : उस समय तो क्रांतिकारी आंदोलन भी हो रहे थे। क्या उनका भी आपपर कुछ प्रभाव पड़ा ?

नागर जी : उसी से तो पिता जी ने डाँटा और रोका। काकोरी बमकांड हो चुका था। १९२१ से आंदोलन तेज हो गए थे।

तिवारी जी : क्या सामाजिक आंदोलनों, जैसे आर्य समाज का भी आपपर कुछ प्रभाव पड़ा?

नागर जी : आंशिक असर है थोड़ा जरूर। मेरे पिता जी में एक अच्छी बात थी कि उन्होंने मुझे सामाजिक आंदोलनों में जाने से कभी नहीं रोका। जवाहरलाल नेहरू से मेरी भेंट १९३३ में हुई। उनकी माँ मेडिकल कॉलेज में दाखिल थीं और उसी समय मेरा छोटा भाई भी वहीं दाखिल था। नेहरू जी जेल में थे। उनकी माँ के पास कुछ कश्मीरी लोगों को छोड़कर कोई आना जाना नहीं था। मैं उनकी माता जी के पास रोज जाता था। पंडित जी जब जेल से छूटे तो मेरी उनसे वहीं भेंट हुई जो प्रायः होती रहती थी। उनसे खूब बातें होती थीं- हर तरह की।

१) १. आकृति पूर्ण कीजिए। (०१)

परिच्छेद में आए दो प्रकार के आंदोलन

↓ [ ] ↓ [ ]

२. (०१)

मेडिकल कॉलेज में दाखिल लोग

↓ [ ] ↓ [ ]

२) घटनानुसार उचित क्रम लगाकर लिखिए। (०२)

१. जवाहरलाल नेहरू से मेरी भेंट १९३३ में हुई।
२. उस समय तो क्रांतिकारी आंदोलन भी हो रहे थे।
३. मैं उनकी माता जी के पास रोज जाता था।
४. १९२१ से आंदोलन तेज हो गए थे।

३) १. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके नए शब्द बनाइए। (०१)

१) सामाजिक : २) कश्मीरी

२. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए। (०१)

१) पिता : २) बहन :

४) समाज में व्याप्त सामाजिक विषमताओं के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। (०२)

Scanned by CamScanner

प्र.२इ) निम्नलिखित अपठित पदयांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

बाधाएँ आती हैं आएं
घिरे प्रलय की घोर घटाएँ
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ,
निज हाथों से हँसते-हँसते,
आग लगाकर जलना होगा ।
कदम मिलाकर चलना होगा ।

हास्य-रूदन में, तूफानों में,
अगर असंख्यक बलिदानों में,
उदयानों में, वीरानों में,
अपमानों में, सम्मानों में,
उन्नत मस्तक, उभरा सीना,
पीड़ाओं से पलना होगा ।
कदम मिलाकर चलना होगा ।

(०२)

१) संजाल पूर्ण कीजिए ।

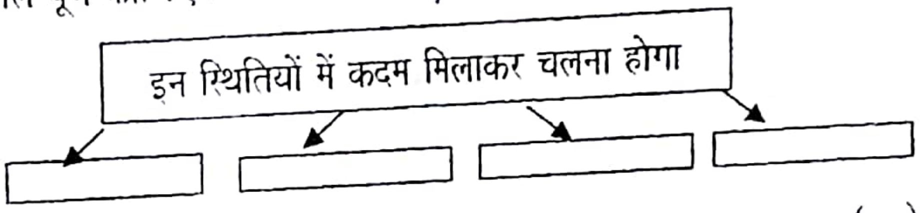

(०१)

२) १. सही या गलत पहचानकर लिखिए ।
१) हमें दूसरों के हाथों में आग लगाकर जलना होगा ।
२) हमें पीड़ाओं से भागना होगा ।

(०२)

२. तात्पर्य (अर्थ) लिखिए ।
"कदम मिलाकर चलना होगा ।"

विभाग ३ ः पूरक पठन

प्र.३अ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

काम में व्यस्त सिरचन के कानों में बात पड़ गई । बोला, "मोहर छापवाली धोती के साथ रेशमी कुरता देने पर भी ऐसी चीज नहीं बनती बहुरिया । मानू दीदी काकी की सबसे छोटी बेटी है...मानू दीदी का दूल्हा अफसर आदमी है ।"

मँझली भाभी का मुँह लटक गया । मेरी चाची ने फुस-फुसाकर कहा, "किससे बात करती है वह? मोहर छापवाली धोती नहीं, मुँगिया लड्डू । बेटी की विदाई के समय रोज मिठाई जो खाने को मिलेगी । देखती है न !"

Scanned by CamScanner

दूसरे दिन चिक की पहली पाँति में सात तारे जगमगा उठे, सात रंग के। सतभैया तारा ! अपने काम में मगन सिरचन को खाने-पीने की सुध नहीं रहती। चिक में सुतली के फंदे डालकर उसने पास पड़े सूप पर निगाह डाली -चिउरा और गुड़ का एक सूखा ढेला। मैने लक्ष्य किया, सिरचन की नाक के पास दो रेखाएं उभर आई। मैं दौड़कर माँ के पास गया। "माँ, आज सिररचन को कलेवा किसने दिया है, सिर्फ चिउरा और गुड़ ?"

१)१. परिच्छेद में आए कपड़ों के नाम (०१)

२. सिरचन को कलेवा में मिला (०१)

२) 'मजदूर को उसकी उचित मजदूरी मिलनी चाहिए',
अपने विचार लिखिए। (०२)

प्र.३आ)निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर कृतियाँ कीजिए।

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रह्लाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते।
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते !
इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...

१) पदयांश में आए वीरों के नाम (०२)

२) 'जननी तथा जन्मभूमि स्वर्ग से भी प्यारी होती है',
इस पर अपने विचार लिखिए। (०२)

Scanned by CamScanner

विभाग ४ : भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.४) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) १. अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए। (०१)

रास्ते पर भीड़ जमा है।

२. निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। (०१)

अनुमान

२) १. निम्नलिखित वाक्य में अव्यय शब्द खोजकर उसका प्रकार लिखिए। (०१)

बाप रे ! इतना बड़ा तूफान।

२. निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए। (०१)

के बिना

३) निम्नलिखित वाक्यों का सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन कीजिए। (०२)

१. मैंने अनेक किताबें पढ़ी है। (सामान्य भूतकाल)

२. आदमी लेखक की छाती पर सिर रखकर रो रहा था। (अपूर्ण भविष्यकाल)

४) तालिका पूर्ण कीजिए। (०२)

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
व्यर्थ	....	....
....	पुरः + कार	....

५) १. निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए। (०१)

मेरे दोस्त की टाँग टूट गई है।

२. निम्नलिखित वाक्य का सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। (०१)

गुलाब भी खिलने लगे हैं। (विस्मयार्थक वाक्य)

६) १. निम्नलिखित मुहावरें का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (०१)

१) शेखी बघारना :

२. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरें का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए। (०१)

(मनसूबे बांधना, दो-चार होना)

प्रत्येक मनुष्य को जीवन में अलग-अलग समस्याओं से जूझना पड़ता है।

७) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। (०२)

१. आश्रम किसी एक धरम से चीपका नहीं होगा।

२. बुढ़ी काकी को पेटभर भोजन भी कठिनाइ से मिलता था।

८) निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए। (०२)

१. मैं भीतर तक काँप गया।

२. जायचा ठाकुर जी के चरणों में रख दिया।

Scanned by CamScanner

९) निम्नलिखित क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए। (०१)
जीना

१०) निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए। (०१)
एक भुट्टेवाला आया और बोला साब भुट्टा लेंगे

११) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। (०१)
धन कमाने के लिए अनेक व्यवसाय चल रहे हैं।

विभाग ५ : उपयोजित लेखन

प्र.५अ)१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र लिखिए। (०५)
संजय / सुनिता तिवारी अपने मित्र / सहेली को कक्षा में प्रथम आने पर बधाई देते हुए पत्र लिखता / लिखती है।

२) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हो। (०५)

बहुत पुरानी बात है। एक नदी में एक साधु स्नान कर रहे थे। उन्होंने देखा कि उसी नदी में एक बिच्छू डूब रहा है। साधु ने बिच्छू को नदी में से निकालने का प्रयास किया। जैसे ही साधु ने बिच्छू को उठाकर बाहर करने के लिए उसे हाथ लगाया, बिच्छू ने उन्हें डंक मार दिया। इससे साधु को बहुत पीड़ा हुई। इसके बाद भी साधु ने बिच्छू को बचाने का प्रयास किया, लेकिन जब-जब साधु बिच्छू को बचाने के लिए हाथ लगाता बिच्छू उन्हें डंक मार देता। इस तरह काफी देर तक साधु ने बिच्छू को बचाने का प्रयास किया और अंततः वे सफल हो गए। साधु जब नदी से बाहर निकले तो एक व्यक्ति जो काफी देर से साधु व बिच्छू को देख रहा था उसने पूछा, "प्रभु जब बिच्छू बार-बार आपको डंक मार रहा था, तो आप उसे बचाने के लिए क्यों इतना प्रयास कर रहे थे? इस प्रयास में आपको बिच्छू के डंक की असहनीय पीड़ा भी सहनी पड़ी।" तब साधु ने कहा, "बिच्छू का कर्म काटना है। वह अपना कर्तव्य कर रहा था। तब बिच्छू जैसा छोटा व नासमझ जीव अपना कर्म करने से पीछे नहीं हट रहा था तो मैं तो इंसान हूँ, मैं अपना कर्म कैसे भुलाता। अतः मैंने उसे बचाकर अपना कर्म किया और उसने मुझे डंक मारकर अपना।" साधु की बात सुनकर व्यक्ति ने उनके चरणों में शीश झुका दिया।

Scanned by CamScanner

प्र.५ आ) १) नीचे दिए गए विषय पर वृत्तांत लिखिए। (०५)

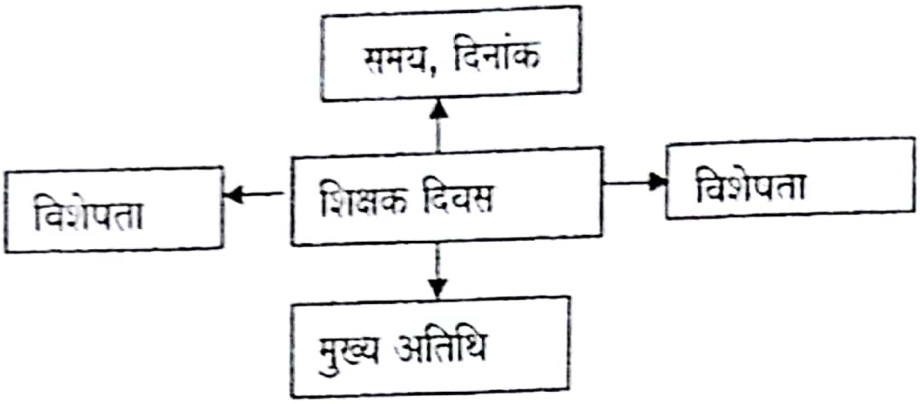

२) विज्ञापन लेखन (०५)
दो कमरे, हॉल, रसोई वाला मकान बेचने के लिए
आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

३) निम्नलिखित सुवचन के आधार पर एक रोचक कहानी तैयार कीजिए और कहानी को उचित शीर्षक देते हुए कहानी से प्राप्त सीख भी लिखिए। (०५)

"एकता में बल होता है।"

प्र.५ इ) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए। (०७)

१) नदी किनारे दो घंटे
२) भ्रष्टाचार : एक अभिशाप

---

ms. Swapnali S.

Scanned by CamScanner